THE INSTITUTE OF
Company Secretaries of India
भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान
IN PURSUIT OF PROFESSIONAL EXCELLENCE
Statutory body under an Act of Parliament
(Under the jurisdiction of Ministry of Corporate Affairs)

प्रेसविज्ञप्ति

ब्यूरोप्रमुख 2 **सितंबर** 2020

आईसीएसआई के वेबिनार में ईओडीबी में रैंकिंग को बेहतर करने के उपायों पर MCA के अधिकारियो ने चर्चा की।

ऊपर बाएं से दाएं: श्री राजेश वर्मा,आईएएस, सचिव, कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार और श्री मनोज पांडे, आईआरएस, संयुक्त सचिव, कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

मध्य बाएं से दाएं: श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार और श्री के.वी.आर. मूर्ति, संयुक्त सचिव, कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार,

नीचे बाएं से दाएं : सीएस आशीष गर्ग, अध्यक्ष आईसीएसआई और सीएस नागेंद्र डी. राव, उपाध्यक्ष, आईसीएसआई

भारतीय अर्थव्यवस्था, देश के निरपेक्ष विनियामक प्रदर्शन को मापने वाले 10 बुनियादी मानकों के आधार पर, कारोबार सुगमता सूची (Ease of Doing Business Index) में 190 देशों में से 63 वें स्थान पर है। स्थिर और सतत विकास के लिए EoDB के 10 टॉप सुधार करने वाले देशों की सूची में भारत के शामिल होने में , भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा लागू किये गए आर्थिक सुधारों का महत्वूर्ण योगदान रहा है।

व्यापार करने में आसानी के तीन महत्वपूर्ण घटकों -१. एक व्यवसाय शुरू करने में आसानी, २. अल्पसंख्यक हितधारकों की रक्षा करना और 3. इन्सॉल्वेंसी मामलो को हल करने में आसानी पर चर्चा करने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार के मुख्य अतिथि के रूप में कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) के सचिव श्री राजेश वर्मा मौजूद रहे।

विभाग द्वारा किए गए उपायों की बात करते हुए श्री राजेश वर्मा ने कहा की "$ 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए, देश में अधिक से अधिक कंपनियों और एलएलपी को बनाना और शामिल किया जाना है , इस राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में ICSI एक उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है।"

उन्होंने आगे कहा कि "ICSI और उसके सदस्य कंपनी सचिव ईज ऑफ डूइंग बिजनस के संदेश को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वास्तविक प्रयासों को ईओडीबी रैंकिंग में शामिल किया जा रहा है।"\

MCA के संयुक्त सचिव श्री मनोज पांडे ने प्रतिभागियों को जानकारी दी कि किस प्रकार भारत सरकार राष्ट्रीय समृद्धि बनाने के लिए देश में उद्यमिता, नवाचार और धन सृजन में तेजी लाने के लिए व्यवसायों को सहायता प्रदान कर रही है और संचालन में आसानी प्रदान कर रही है।

आईसीएसआई के आदर्श वाक्य को दोहराते हुए, श्री मनोज पांडे ने संस्थान और उसके सदस्यों से अनुरोध किया कि "सच्चाई और कानून का पालन हुए सीआरसी (CRC) को एक दिन के भीतर नए व्यवसायों को शामिल करने में सहयोग दे" ।

इस राष्ट्रीय वेबिनार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए MCA के संयुक्त सचिव श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने कहा की " यह देश भर में 15000 से अधिक पेशेवरों के लिए इन्सॉल्वेंसी के मामलो को हल करने के ढांचे पर चर्चा करने के लिए सबसे अच्छा माध्यम है" । उन्होंने बताया कि कैसे व्यवसायों में बाहर निकलने की स्वतंत्रता देश में हमेशा के लिए रही है, लेकिनवर्तमान ढांचा ऐसा है जिसने हमें विश्व बैंक के इंसॉल्वेंसी पैरामीटर को प्राप्त करने में मदद की है।

MCA के संयुक्त सचिव श्री केवीआर मूर्ति ने बताया की देश के नागरिकों के लिए व्यापार करने में अधिक आसानी के लिए सीआरसी की स्थापना करके समयबद्ध निपटान में पारदर्शिता, एकरूपता और पूर्वानुमेयता लाने में देश के कॉर्पोरेट मंत्रालय के उद्देश्य को पूरा करने में एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने उल्लेख किया कि "कंपनी सचिव कंपनी अधिनियम में किए गए विभिन्न संशोधनों और हितधारकों को व्यवसाय करने में आसानी प्रदान करने के लिए शुरू किए गए विभिन्न रूपों के प्रावधानों से बाहर अच्छी तरह अवगत हैं जिससे वे मंत्रालय के उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

मंत्रालय द्वारा संस्थान पर जिम्मेदारियों को पूरा करने में विश्वास जताने पर बोलते हुए ICSI के अध्यक्ष सीएस आशीष गर्ग ने कहा की "शीर्ष तक पहुँचने का लक्ष्य शायद दूरगामी और लंबा सपना है, पर कानून बनाने वाले निकायों, पेशेवर संस्थानों के साथ-साथ कॉरपोरेट्स और व्यवसायों के संयुक्त प्रयास से गवर्नेंस का परिदृश्य मजबूत बनाया जा सकता है, जिससे आत्म-निर्भर भारत की $ 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने की और मार्ग प्रशस्त हो सकता है ।

प्रीति कौशिक बनर्जी
निदेशक
कॉर्पोरेट संचार और अंतर्राष्ट्रीय मामले
Tel: 011-4534 1022
Email:preeti.banerjee@icsi.edu